कारतूस

–हबीब तनवीर

गद्यांश

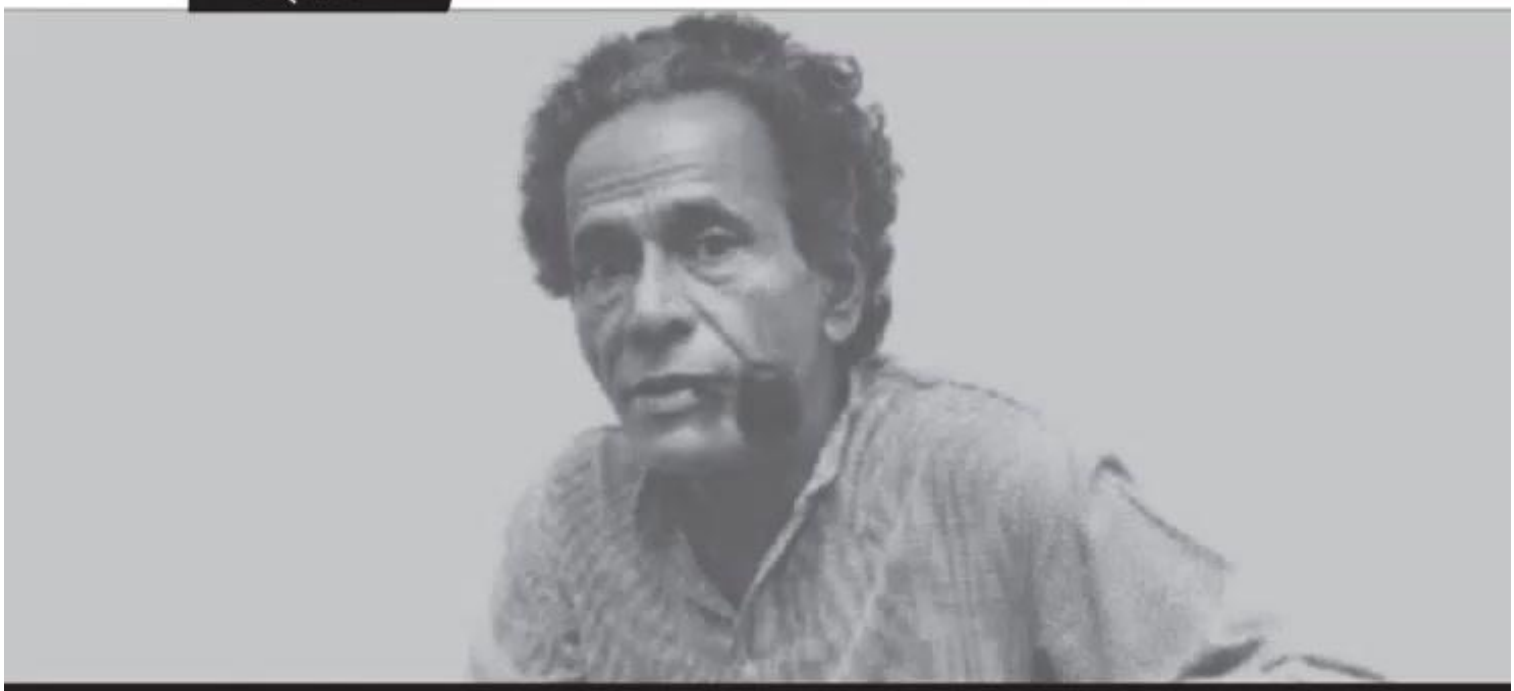

हम सभी जानते हैं कि अंग्रेज़ हमारे देश में व्यापार करने के उद्देश्य से आए थे किंतु धीरे–धीरे उनके इरादे कुटिल चालों में बदलने लगे। उन्होंने भारतीय बाज़ारों पर कब्ज़ा करना शुरू कर दिया। उनकी नियत उजागर होते ही उन्हें हिंदुस्तान से खदेड़ने के प्रयास भी शुरू हो गए। हज़ारों लोगों ने अपने–अपने स्तर पर अंग्रेज़ों की ताकत से अपने देश को आज़ाद करवाने के प्रयास किए। उन्हीं में से एक था वीर जाँबाज़ सिपाही 'वज़ीर अली'। प्रस्तुत एकांकी 'कारतूस' में उसी के बहादुरी भरे कुछ कारनामों का वर्णन लेखक ने किया है।

वस्तुपरक प्रश्न

[1 अंक]

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए—

किस्सा क्या हुआ था। उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपये सालाना वजीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यों तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ नफरत कूट-कूटकर भरी है। उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(क) वज़ीर अली को पद से हटाने के बाद उसके साथ क्या किया गया?
- (i) उसे कलकत्ता भेज दिया गया
- (ii) उससे तीन लाख रुपये सालाना जुर्माना लिया गया
- (iii) उसे तीन लाख सालाना वजीफा देना तय हुआ
- (iv) उसे गवर्नर जनरल बना दिया गया

(ख) वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास क्यों गया था?
- (i) उससे गवर्नर जनरल की शिकायत करने के लिए
- (ii) उससे माफी माँगने के लिए
- (iii) उसे भला-बुरा सुनाने के लिए
- (iv) उसका कत्ल करने के लिए

(ग) अंग्रेज़ों के खिलाफ किसके मन में नफरत भरी थी?
- (i) वकील के मन में
- (ii) गवर्नर जनरल के मन में
- (iii) वज़ीर अली के मन में
- (iv) इन तीनों के मन में

(घ) वज़ीर अली ने वकील का कत्ल क्यों किया?
- (i) वह उससे नफरत करता था
- (ii) वह अंग्रेज़ों से नफरत करता था
- (iii) वकील ने उसे भला-बुरा सुनाया
- (iv) उसने वकील को भला-बुरा सुना दिया

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम है—
- (i) कारतूस - निदा फ़ाज़ली
- (ii) झेन की देन- रवींद्र केलेकर
- (iii) कारतूस - हबीब तनवीर
- (iv) वज़ीर अली - निदा फ़ाज़ली

उत्तर : (क) *(iii) उसे तीन लाख सालाना वजीफा देना तय हुआ*

(ख) *(i) उससे गवर्नर जनरल की शिकायत करने के लिए*

व्याख्यात्मक हल : उसे अवध के तख़्त से हटाकर जब बनारस भेज दिया था तो गवर्नर जनरल द्वारा उसे बेवजह बार-बार बुलाने की शिकायत करने वह ईस्ट इंडिया कंपनी के वकील के पास गया था।

(ग) *(i) वज़ीर अली के मन में*

(ङ) *(iii) कारतूस - हबीब तनवीर*

2. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए—

लेफ्टिनेंट—सुना है यह वज़ीर अली अफगानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत (आमंत्रण) दे रहा है।

कर्नल—अफ़गानिस्तान को हमले की दावत सबसे पहले असल में टीपू सुल्तान ने दी, फिर वज़ीर अली ने भी उसे दिल्ली बुलाया और फिर शमसुद्दौला ने भी।

लेफ्टिनेंट—कौन शमसुद्दौला?

कर्नल—नवाब बंगाल का निस्बती (रिश्ते) भाई। बहुत ही खतरनाक आदमी है।

लेफ्टिनेंट—इसका तो मतलब यह हुआ कि कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

कर्नल—जी हाँ, और अगर यह कामयाब हो गई तो बक्सर और प्लासी के कारनामे धरे रह जाएँगे और कंपनी जो कुछ लॉर्ड क्लाइव के हाथों हासिल कर चुकी है लॉर्ड वेलेजली के हाथों सब खो बैठेगी।

(क) अफगानिस्तान को किस बात के लिए निमंत्रण दिया जा रहा था?
- (i) भारत पर आक्रमण करने के लिए
- (ii) अंग्रेज़ों का समर्थन करने के लिए
- (iii) भारत को गुलाम बनाने के लिए
- (iv) अपना साम्राज्य फैलाने के लिए

(ख) कर्नल ने बहुत ही खतरनाक आदमी किसे कहा है?
- (i) वज़ीर अली को (ii) सआदत अली को
- (iii) शमसुद्दौला को (iv) आसिफ़उद्दौला को

(ग) कंपनी के खिलाफ हिंदुस्तान में लहर दौड़ जाने का अर्थ है—
- (i) पूरा हिंदुस्तान कंपनी का दीवाना हो गया
- (ii) कंपनी के खिलाफ नफरत पैदा हो गई
- (iii) कंपनी का प्रचार-प्रसार हो गया
- (iv) कंपनी के नाम से सब घबराने लगे

(घ) अफगानिस्तान को भारत पर हमले की दावत सबसे पहले किसने दी थी?
- (i) वज़ीर अली ने (ii) शमसुद्दौला ने
- (iii) टीपू सुल्तान ने (iv) आसिफ़उद्दौला ने

(ङ) कर्नल को किस बात का भय नहीं था?
- (i) अफगानिस्तान के हमले का
- (ii) बक्सर और प्लासी के कारनामों का
- (iii) लॉर्ड वेलेजली के हाथों सब खो जाने का
- (iv) बक्सर और प्लासी के कारनामे धरे रह जाने का

उत्तर : (क) *(i) भारत पर आक्रमण करने के लिए*

व्याख्यात्मक हल : वज़ीर अली की योजना थी कि अफगानिस्तान भारत पर हमला करेगा तो भारत की ताकत बढ़ेगी और अंग्रेज़ों को भारत से भगाना आसान हो पाएगा।

(ख) *(iii) शमसुद्दौला को*

(ग) *(ii) कंपनी के खिलाफ नफरत पैदा हो गई*

(ङ) *(ii) बक्सर और प्लासी के कारनामों का*

व्याख्यात्मक हल : कर्नल को बक्सर और प्लासी के कारनामों का नहीं बल्कि उन कारनामों के व्यर्थ हो जाने का भय था।

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए—

वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कोलकाता में क्यों तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूं भी अंग्रेज़ों के खिलाफ नफरत कूट-कूट कर भरी है। उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया। और भाग गया?

अपने जानिसारों समेत आजमगढ़ की तरफ भाग गया। आजमगढ़ के हुक्मरान ने उन लोगों को अपनी हिफाजत में घाघरा तक पहुँचा दिया और यह कारवाँ इन जंगलों में कई साल से भटक रहा है।

(क) वज़ीर अली आजमगढ़ की ओर क्यों भाग गया था?
- (i) वकील का कत्ल करने के लिए
- (ii) वकील का कत्ल करने के बाद छुपने के लिए
- (iii) वकील से शिकायत करने के लिए
- (iv) वकील की शिकायत करने के लिए

(ख) वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास किसकी शिकायत करने गया था?
- (i) गवर्नर जनरल की
- (ii) शमसुद्दौला की
- (iii) आसिफ़उद्दौला की
- (iv) कर्नल की

(ग) वज़ीर अली के मन में किसके खिलाफ नफरत भरी थी?
- (i) अंग्रेज़ों के (ii) गवर्नर जनरल के
- (iii) हिंदुस्तान के (iv) इन तीनों के

(घ) वज़ीर अली ने वकील का कत्ल कैसे किया?
(i) बंदूक से (ii) लाठी से
(iii) तलवार से (iv) खंजर से

(ङ) जंगलों में कौन-सा कारवाँ भटक रहा था?
(i) वज़ीर अली और उसके साथियों का
(ii) आजमगढ़ के हुक्मरां का
(iii) कर्नल और लेफ्टिनेंट का
(iv) अफगानिस्तान का

उत्तर : (क) *(ii) वकील का कत्ल करने के बाद छुपने के लिए*
(ख) *(i) गवर्नर जनरल की*
(ग) *(i) अंग्रेज़ों के*
(घ) *(iv) खंजर से*
(ङ) *(i) वज़ीर अली और उसके साथियों का*

व्याख्यात्मक हल : वज़ीर अली ईस्ट इंडिया कंपनी के वकील का कत्ल करके अपने साथियों के साथ जंगलों में छिपता फिर रहा था। वह अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंक रहा था।

वर्णनात्मक प्रश्न

[2-5 अंक]

लघु उत्तरीय प्रश्न (25-30 शब्द)

[2 अंक]

4. 'सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है'। लेफ्टिनेंट के इस कथन का क्या अर्थ है? [CBSE 2012, 11]

उत्तर : लेफ्टिनेंट ने ऐसा सुना था कि वज़ीर अली अफगानिस्तान के बादशाह शाहे जमा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दे रहा है और कर्नल ने उसे बताया कि सबसे पहले टीपू सुल्तान ने और फिर वज़ीर अली ने और फिर शमसुद्दौला ने अफगानिस्तान को हमले की दावत दी थी। वज़ीर अली आजमगढ़ के जंगलों में छिपता फिर रहा था और उसकी योजना थी कि किसी तरह से नेपाल पहुँच जाए। अफगानी हमले का इंतजार करे, अपनी ताकत बढ़ाए और सारे हिंदुस्तान को अंग्रेज़ों के असर से मुक्त कर दे। इन बातों से स्पष्ट था कि ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिकार अब ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं था।

⚠ एहतियात

➥ लहर दौड़ जाने का अर्थ छात्र खुशी की लहर दौड़ जाना समझ लेते हैं। यहाँ लहर दौड़ने का अर्थ है 'ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रति विरोध पैदा होना।'

5. सआदत अली अंग्रेज़ों का हिमायती क्यों था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2014]

उत्तर : सआदत अली उन लोगों में से था जिसे देशहित और देशप्रेम की भावना से कोई सरोकार नहीं था। वह स्वार्थी और ऐशो-आराम पसंद व्यक्ति था। इसके लिए अंग्रेज़ों का चाटुकार बनने में भी संकोच नहीं करता था। अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को अवध के तख्त से हटाकर सआदत अली को उस पद पर बिठा दिया। उसने अपनी आधी जायदाद और दस लाख रुपए नकद अंग्रेज़ों को दिए ताकि वह भी खुश रहे और उसका पद भी बना रहे।

6. जाँबाज़ सवार कौन था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर उसकी विशेषताएँ बताइए। [CBSE 2012, 11]

उत्तर : अंग्रेज़ी लेफ्टिनेंट और कर्नल जंगल में खेमा लगाए कई महीनों से रह रहे थे। उन्हें वज़ीर अली नामक जाँबाज़ सिपाही की तलाश थी जो उनका कट्टर विरोधी था और लगातार उनकी आँखों में धूल झोंकता आ रहा था। एक दिन एक सवार तेजी से घोड़ा दौड़ाता हुआ उनके खेमे में दाखिल हुआ। वह बहुत ही दिलेर और आत्मविश्वासी था। उसने बेखौफ कर्नल से अकेले में बात करने का प्रस्ताव रखा। उनका हौंसला कमजोर करने के लिए वज़ीर अली की बहादुरी की बात कही। वास्तव में वह स्वयं वज़ीर अली था जिसने इस तरह अचानक अंग्रेज़ी खेमे में आकर एक बार फिर अंग्रेज़ों को चकमा दे दिया।

7. एकांकी कारतूस के अनुसार वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही कैसे था? [CBSE Sample Paper 2020]

उत्तर : कारतूस एकांकी के अंतर्गत भारत के जाँबाज़ सिपाही वज़ीर अली की वीरता, निडरता और आत्मविश्वास का वर्णन किया गया है। उसके दिल में अंग्रेज़ों के खिलाफ नफरत कूट-कूटकर भरी थी। उसी के चलते उसने ईस्ट इंडिया कंपनी के वकील का कत्ल कर दिया था और उसके बाद से लगातार अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंकता आ रहा था। यह जानते हुए भी कि कर्नल पूरी सेना के साथ उसी की तलाश में है और जंगल में खेमा लगाए हुए है, वह अकेला उसके खेमे में पहुँचा, अपने खिलाफ उसके मन में डर पैदा किया और उसी के हाथों से 10 कारतूस भी ले गया। यह सभी किस्से यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

8. भारत की गुलामी में सआदत अली जैसे लोगों की क्या भूमिका रही? पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : भारत कई वर्षों तक अंग्रेज़ों का गुलाम रहा। इसका एक महत्वपूर्ण कारण वे लोग हैं जो भारतवासी होते हुए भी

भारत विरोधी कार्य करते रहे। उनके मन में देशप्रेम की भावना का अभाव था। वे केवल अपने स्वार्थ सिद्ध करने की फिराक में रहते थे। सआदत अली भी उन्हीं लोगों में से एक था। वह ऐश और आराम की जिंदगी बिताना चाहता था। उसकी यह इच्छा अंग्रेज़ों का समर्थन करने से पूरी हो सकती थी। अंग्रेज़ों को तो ऐसे लोगों की जरूरत थी। इसलिए वज़ीर अली को अवध के तख्त से हटाकर सआदत अली को वह पद सौंप दिया गया।

9. वज़ीर अली किस योजना के तहत जंगलों में छिप रहा था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वज़ीर अली ने ईस्ट इंडिया कंपनी के एक वकील का कत्ल कर दिया था। उसके बाद वह अपने चंद साथियों के साथ आजमगढ़ की तरफ भाग गया। वहाँ के बादशाह की हिफाजत में घाघरा तक पहुँचा दिया गया। तभी से वह इन जंगलों में छिपता फिर रहा था। उसकी योजना यह थी कि किसी तरह नेपाल पहुँच जाए, अफगानी हमले का इंतजार करे। इस तरह अपनी ताकत बढ़ाए। सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद अवध पर कब्जा कर ले और उसके पश्चात वह धीरे-धीरे हिंदुस्तान को अंग्रेज़ी शासन से बिल्कुल मुक्त कर दे।

10. सवार ने ऐसा क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है? स्पष्ट कीजिए।

11. वज़ीर अली की आज़ादी अंग्रेज़ों के लिए खतरनाक क्यों थी? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वज़ीर अली एक सच्चा देशभक्त था। अंग्रेज़ों के खिलाफ उसके मन में नफरत कूट-कूट कर भरी हुई थी। किसी भी कीमत पर वह भारत को अंग्रेज़ी असर से पाक कर देना चाहता था। उसकी बहादुरी से भरे कारनामों के किस्से अंग्रेज़ों ने सुने हुए थे और यह भी जानते थे कि उसने अफगानिस्तान को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी है। यदि उसे गिरफ्तार न किया गया, तो वह जल्दी ही अपनी ताकत बढ़ाएगा, अवध को अपने कब्जे में ले लेगा और धीरे-धीरे अंग्रेज़ों को हिंदुस्तान से खदेड़ देखा। इसलिए उसकी गिरफ्तारी अंग्रेज़ों के लिए बहुत ज़रूरी थी।

12. 'सफलता प्राप्ति में आत्मविश्वास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' एकांकी के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर : किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, लगन, धैर्य, दृढ़ निश्चयता, समर्पण आदि अनगिनत विशेषताओं के साथ-साथ आत्मविश्वास का होना बेहद ज़रूरी है। प्राय: देखा गया है कि आत्मविश्वास के अभाव में यह सभी विशेषताएँ भी दब जाती हैं। यही बात वज़ीर अली के व्यक्तित्व से भी स्पष्ट हुई है। उसके पास इतनी ताकत नहीं थी जितनी अंग्रेज़ों के पास थी किंतु उसके आत्मविश्वास की ताकत ने पूरी अंग्रेज़ी सेना की नाक में दम किया हुआ था। इसी आत्मविश्वास के दम पर वह बार-बार फिर उन्हें चकमा देने मे कामयाब हुआ।

13. आपको सआदत अली और वज़ीर अली में से किसके चरित्र ने प्रभावित किया और क्यों?

उत्तर: वज़ीर अली एक सच्चा देशभक्त और जाँबाज़ सिपाही था, जबकि सआदत अली स्वार्थी, बेईमान और देशद्रोही था। वह जो कुछ कर रहा था उसमें केवल उसका स्वार्थ था। देश की आज़ादी की कीमत पर वह ऐशो आराम की जिंदगी बिता रहा था। जबकि वज़ीर अली का प्रत्येक कार्य देश के हित में था। निस्संदेह हमें वज़ीर अली के चरित्र ने ही प्रभावित किया है क्योंकि उससे हमें देशहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

निबन्धात्मक प्रश्न (60-70 / 80-100 शब्द)

[4 एवं 5 अंक]

14. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था। कैसे? स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2014, 13, 12, 11, NCERT]

उत्तर : वज़ीर अली उन हिंदुस्तानी सिपाहियों में से एक था जिनके मन में अंग्रेज़ों के खिलाफ नफरत कूट-कूट कर भरी हुई थी। वह किसी भी कीमत पर हिंदुस्तान को अंग्रेज़ों से आज़ाद कराना चाहता था। उसे अवध के राजपद से हटाकर बनारस भेज दिया गया और गवर्नर ने उसे कलकत्ता तलब किया। इसकी शिकायत उसने कंपनी के वकील से करनी चाही किंतु वकील ने उलटा उसे ही अपमानित किया। गुस्से में भरकर उसने वकील का काम तमाम कर दिया। तब से वह अपने चंद साथियों के साथ आजमगढ़ के जंगलों में छिपता फिर रहा था और लगातार अंग्रेज़ अफसरों और उनके सिपाहियों की आँखों में धूल झोंक रहा था। यही नहीं, वह अकेला कर्नल के खेमे में दाखिल हुआ, उन्हीं के हाथों दस कारतूस भी ले लिए और जाते-जाते बड़ी बहादुरी से अपना परिचय भी दे गया। यह सब बातें यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हैं कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

15. 'मुट्ठी भर आदमी और यह दमखम'- कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

[CBSE 2012, 11, NCERT]

उत्तर : अंग्रेज़ कर्नल अपनी पूरी सेना के साथ जंगलों में खेमा लगाए वज़ीर अली की तलाश कर रहा था। किंतु वज़ीर अली अपने कुछ साथियों के साथ कई महीनों से उनकी आँखों में धूल झोंक रहा था। अनेक प्रयासों के बाद भी वह उनके हाथ नहीं आ रहा था। उसकी यह जाँबाज़ी देखकर कर्नल यह कहे बिना रह नहीं पाया कि 'मुट्ठी भर आदमी और यह दमखम' अर्थात् वे कुछ लोग हैं किंतु उनकी

बहादुरी इतनी है कि वे कर्नल की पूरी सेना को चकमा दे रहे हैं। कर्नल इसी बात से हैरान था कि वज़ीर अली अपने चंद जाँबाज़ों के दम पर इस कदर आत्मविश्वास और निडर कैसे है। उसे इस बात का खौफ क्यों नहीं है कि अंग्रेज़ी सेना उसका नामो-निशान मिटा सकती है।

16. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

[CBSE 2012, 11, NCERT]

17. 'गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफिला चला आ रहा हो। मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है'। आशय स्पष्ट कीजिए।

[CBSE 2012, 11, NCERT]

उत्तर : कारतूस एकांकी में लेखक 'हबीब तनवीर' ने एक ऐसे किस्से का वर्णन किया है जो हमारे भारतीय जाँबाज़ों की एक मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। वज़ीर अली की गिरफ्तारी अंग्रेज़ों के लिए बहुत ज़रूरी थी। इसी उद्देश्य से लेफ्टिनेंट और कर्नल जंगल में खेमा लगाए, पूरे लाव-लश्कर के साथ उसकी तलाश में लगे हुए थे। वह बार-बार उन्हें चकमा दे जाता था और उनके हाथ नहीं आ रहा था। एक दिन जब वे खेमे में बैठे बातचीत कर रहे थे, सूचना मिली कि एक सवार घोड़े पर उनकी तरफ आ रहा है। उन्होंने देखा कि गर्द यानि बहुत धूल उड़ रही है मानो एक घोड़ा नहीं बल्कि पूरी फौज उनकी तरफ आ रही हो। किंतु ध्यान से देखने पर लगा कि केवल एक ही सवार है जो सरपट घोड़ा दौड़ाए उनकी तरफ बढ़ रहा है।

वह सवार और कोई नहीं वास्तव में वज़ीर अली ही था।

⚠ एहतियात

➥ किसी भी कथन का आशय स्पष्ट करने को कहा जाए तो केवल उसका अर्थ नहीं लिखना। यदि प्रश्न 4 अंक का है तो वह कथन किसके द्वारा कहा गया, किसने, कब और क्यों कहा; विस्तार से बताना है।

18. कारतूस पाठ के आधार पर वज़ीर अली की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

[CBSE 2016]

उत्तर : भारत को अंग्रेज़ों के चंगुल से छुड़ाने के लिए अनगिनत देश प्रेमियों ने अपनी-अपनी तरह से प्रयास किया था। उन्हीं में से एक जाँबाज़ 'वज़ीर अली' भी था। लेखक 'हबीब तनवीर' ने कारतूस एकांकी में उसकी विभिन्न विशेषताओं को दर्शाया है।

वह देश-प्रेमी और साहसी था। उसका एकमात्र उद्देश्य अपने देश को अंग्रेज़ी हुकूमत से आज़ादी दिलाना था। आत्मविश्वास उसके अंदर कूट-कूटकर भरा हुआ था। उसी आत्मविश्वास के दम पर वह अकेला कर्नल और लेफ्टिनेंट के खेमे में दाखिल हो गया, यह जानते हुए भी कि वे बड़ी बेसब्री से उसकी तलाश कर रहे हैं। वह बहुत ही स्वाभिमानी था। जब उसे उसके पद से हटाकर बनारस भेज दिया गया और फिर उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया गया, तो वह शिकायत करने वकील के पास चला गया। अंग्रेज़ों के खिलाफ नफरत इस कदर भरी हुई थी कि उस अंग्रेज़ी वकील की बदसलूकी सहन न कर पाया और उसका कत्ल करके फरार हो गया।

वज़ीर अली की निर्भीकता, साहस, देशभक्ति, स्वाभिमान और आत्मविश्वास हमें गर्व का अनुभव कराते हैं।

⚠ एहतियात

➥ केवल विशेषताएँ लिख देना पर्याप्त नहीं होगा । किसी भी पात्र की चारित्रिक विशेषताओं के संबंध में प्रश्न आए तो पाठ से उदाहरण देते हुए उन विशेषताओं को सिद्ध अवश्य करना चाहिए।

19. एकांकी 'कारतूस' में वर्णित किन घटनाओं से पता चलता है कि वज़ीर अली अंग्रेज़ों से नफरत करता था और उनका कट्टर विरोधी था?

[CBSE 2013]

20. 'कारतूस' शीर्षक इस एकांकी के लिए किस प्रकार सार्थक है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : किसी रचना का शीर्षक उसके मुख्य पात्र, मुख्य घटना या केन्द्रीय भाव पर आधारित होता है। शीर्षक ऐसा होना चाहिए जो पाठक के मन में उस रचना के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करे और वह जिज्ञासा अंत तक बनी रहे।

'कारतूस' एकांकी का शीर्षक इस दृष्टि से काफी हद तक उचित है। यह एकांकी एक ऐसे भारतीय वीर का शौर्य दर्शाने के लिए लिखी गई है जिसके लिए अपने देश हित से ऊपर कुछ भी नहीं था। वह तरह-तरह से अंग्रेज़ों को मूर्ख बनाता रहा। अपनी निर्भीकता और आत्मविश्वास के बल पर उसने अंग्रेज़ों से दस कारतूस भी हासिल कर लिए जिसका उपयोग वह उन्हीं के खिलाफ करने वाला था। अंग्रेज़ों से इस तरह से कारतूस लेना उसकी निर्भीकता और आत्मविश्वास की गवाही देने जैसा ही है। इस प्रकार यह शीर्षक इस एकांकी के लिए सर्वश्रेष्ठ है।